रणजीत टाइम्स

इंदौर

बुधवार, 31 दिसम्बर, 2025

वर्ष 02 | अंक 03 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

मालवा मिल क्षेत्र में नलों से बह रहा 'जहर', गंदा पानी पीने को मजबूर रहवासी

सह सम्पादक -दीपक वाड़ेकर

इंदौर (मालवामिल शिवाजी नगर): शहर को स्वच्छता में नंबर-1 का गौरव दिलाने वाले इंदौर के वार्ड नंबर 56 (झोन क्रमांक 3) के अंतर्गत आने वाले मालवा मिल, शिवाजी नगर क्षेत्र में प्रशासन की बड़ी लापरवाही सामने आ रही है। यहाँ पिछले कुछ समय से पीने के पानी की लाइन में गंदा और बदबूदार पानी मिल रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में महामारी का खतरा मंडरा रहा है।

गंदे पानी से बीमारियों का डर

स्थानीय निवासियों का कहना है कि जल वितरण के समय नलों से जो पानी आ रहा है, वह पीने लायक तो दूर, नहाने और कपड़े धोने लायक भी नहीं है। पानी से उठती सड़ांध के कारण लोग परेशान हैं। लोगों का आरोप है कि पेयजल लाइन के पास ही ड्रेनेज या कचरे का जमावड़ा है, जिससे गंदा पानी रिसकर मुख्य लाइन में मिल रहा है।

प्रशासन मौन, जनता परेशान

वार्ड नंबर 56 के रहवासियों ने बताया कि इस संबंध में नगर निगम झोन कार्यालय को कई बार अवगत कराया गया है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। छोटे बच्चों और बुजुर्गों में पेट दर्द और संक्रमण की शिकायतें बढ़ने लगी हैं।

मुख्य मांगें

दूषित पानी की समस्या का तुरंत समाधान किया जाए।

लीकेज वाली पाइपलाइन की जांच कर उसे तत्काल सुधारा जाए।

क्षेत्र में साफ पानी के टैंकरों की व्यवस्था की जाए जब तक समस्या हल न हो।

क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही शुद्ध पेयजल की आपूर्ति शुरू नहीं की गई, तो वे झोन कार्यालय का घेराव कर उग्र प्रदर्शन करेंगे।

ऑनलाइन मंचों पर अश्लीलता रोकने सख्त कार्रवाई के संकेत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को अश्लील, अभद्र व बाल यौन शोषण सामग्री पर चेतावनी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया कंपनियों को अश्लीलता, अभद्रता एवं बाल यौन शोषण से जुड़ी सामग्री को लेकर सख्त चेतावनी दी है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यदि डिजिटल मंचों पर इस प्रकार की अवैध सामग्री के विरुद्ध तत्काल और प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो संबंधित कंपनियों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से जारी परामर्श में कहा गया है कि सोशल मीडिया कंपनियां अपने-अपने प्लेटफॉर्म पर मौजूद सामग्री की नियमित समीक्षा करें और अश्लील, पोर्नोग्राफिक, पीडोफिलिक अथवा गैरकानूनी कंटेंट को तुरंत हटाएं। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 तथा आईटी नियम 2021 के तहत सोशल मीडिया कंपनियों की यह कानूनी जिम्मेदारी है कि वे अपने मंचों को सुरक्षित रखें। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित प्लेटफॉर्म के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकार का कहना है कि बच्चों और समाज को डिजिटल माध्यमों पर फैल रही अश्लीलता से बचाना प्राथमिकता है। यदि प्लेटफॉर्म अपने दायित्वों का पालन नहीं करते हैं, तो उन्हें भारतीय न्याय संहिता सहित अन्य कानूनों के तहत दंडात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

अंग्रेजी नववर्ष 2027 को लेकर खजराना गणेश मंदिर में कड़ी व्यवस्थाएं भक्तों के सैलाब के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार-पंडित विनीत भट्ट

रेणु कैथवास

इंदौर। अंग्रेजी नववर्ष 2027 के आगमन को लेकर खजराना गणेश मंदिर में उमड़ने वाले श्रद्धालुओं के सैलाब को देखते हुए प्रशासन द्वारा कड़ी एवं सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं की गई हैं। खजराना गणेश मंदिर के पंडित विनीत भट्ट ने प्रशासन की तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि भक्तों की सुरक्षा एवं सुगम दर्शन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है।

पंडित विनीत भट्ट ने कहा कि नववर्ष के अवसर पर मंदिर परिसर सहित आसपास के क्षेत्रों में भारी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को ध्यान में रखते हुए पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती की गई है। साथ ही ट्रैफिक नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन एवं निरंतर निगरानी की विशेष व्यवस्था की गई है, जिससे श्रद्धालु शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में भगवान गणेश के दर्शन कर सकें। उन्होंने पुलिस प्रशासन, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन के सहयोग से यह धार्मिक आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न होगा। पंडित विनीत भट्ट ने श्रद्धालुओं से भी अपील की कि वे नियमों का पालन करें और प्रशासन का सहयोग करते हुए नववर्ष को श्रद्धा, शांति एवं अनुशासन के साथ मनाएं।

धर्म प्रेम है तथा क्षमा इस प्रेम का अंग है : श्री माताजी

नववर्ष की आहट चहुं ओर सुनाई देने लगी है।हर ओर गुज़रे हुए समय पर पुनर्विचार व अवलोकन का दौर जारी है। हम सभी के इस वर्ष के अनुभवों में भी कुछ मिठास कुछ खटास अवश्य होगी। कुछ व्यक्तियों, संबंधों के प्रति प्रेम तो कुछ के प्रति क्षोभ के भाव भी होंगे। नव वर्ष का उत्सव की तरह नव संकल्प के साथ स्वागत करने के पीछे शायद यही अवधारणा रही होगी कि हम प्रत्येक नकारात्मक विचार को पीछे छोड़ कर नए उत्साह से जीवन पथ पर आगे बढ़ें। और हम यह नव हर्षमय विजयपथ सिर्फ दो ही शक्तियों, प्रेम व क्षमा के साथ तैयार कर सकते हैं। क्षमा करना या क्षमा प्राप्त करना दोनों ही आत्म ज्ञान के बिना अत्यंत दुष्कर हैं। सहजयोग संस्थापिका परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी ने क्षमा की शक्ति का वर्णन इस प्रकार किया है कि, "कलियुग में क्षमा से बड़ी कोई विधि नहीं है। क्षमा की शक्ति जितनी अधिक होगी, आप उतने ही अधिक शक्तिशाली होंगे। सभी को क्षमा करें। क्षमा वही

कर सकता है जो बड़ा है। छोटे दिमाग वाला क्या माफ कर सकता है?..... अपने भीतर जो धर्म है, उसे जानो। आप धर्म में खड़े हैं। जो धर्म में खड़ा है उसके भीतर इतनी जबरदस्त शक्तियां हैं। इस धर्म को जानो। .....जो धर्म में खड़ा है, उसकी विधि अधर्म में खड़े व्यक्ति से भिन्न है। जो धर्म में खड़ा है, उसका अधर्म में खड़े व्यक्ति से कोई मेल नहीं हो सकता।

और धर्म प्रेम के सिवा और कुछ नहीं है। और अगर प्रेम ही सब कुछ है तो क्षमा उसका अंग बन जाती है। हमारे प्यार को देखकर कोई कितना जुल्म कर सकता है? एक इंसान कितना बुरा कर सकता है? दूसरा आपको कितना परेशान कर सकता है, सब कुछ प्रेम से धुल जाएगा। कलियुग में यही एकमात्र तरीका है जो काम करता है। धर्म में उत्थान करना सहज योग का लक्ष्य है। अन्य कोई लक्ष्य नहीं है। सीधा हिसाब है। ....आपको अपने धर्म में जागृत होना होगा, आपको अपना प्रकाश प्राप्त करना होगा और स्वयं को जानना होगा। बिना क्षमा के भीतर पवित्रता नहीं आ सकती। जब पवित्रता आएगी तब धर्म का प्रकाश फैलेगा... शुद्ध और निर्मल।" (20/1/1975, मुंबई) नववर्ष में नवसंकल्प ले आत्मसाक्षात्कार के प्रकाश में अपनी अंतर्निहित प्रेम व क्षमा की शक्ति को सुदृढ़ बनाएं। आनंदमय व संतुलित उन्नति को प्राप्त करने हेतु सहजयोग ध्यान के जीवंत अनुभव का अवसर स्वयं को अवश्य प्रदान करें। पूर्णतया निःशुल्क सहजयोग ध्यान का आनंद और अनगिनत लाभ लेने हेतु आप जानकारी टोल फ्री नं – 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

मैं कमलेश्वर मंदिर में कमल का फूल चढ़ाना चाहता हूं

आप कमल का फूल खिलाइए, मैं आपके साथ खड़ा हूं : विधायक

दैनिक रणजीत टाइम्स

जगदीश पाल

पिछोर (शिवपुरी)गहोई वैश्य समाज द्वारा गहोई गार्डन पिछोर में भव्य शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें नव निर्वाचित अध्यक्षों एवं कुल 66 पदाधिकारियों ने समाज सेवा, संगठन सशक्तिकरण और सामाजिक उत्थान के लिए निष्ठापूर्वक कार्य करने की शपथ ली। समारोह में समाज के वरिष्ठजनों, युवा वर्ग और महिला मंडल की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन के साथ हुआ। इसके पश्चात राष्ट्रकवि श्री मैथिलीशरण गुप्त एवं पूर्व राजस्व मंत्री स्व. लक्ष्मीनारायण गुप्त के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आयोजन में गहोई वैश्य समाज पिछोर, नवयुवक मंडल, महिला मंडल एवं गहोई भवन ट्रस्ट की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण संपन्न कराया गया। समारोह के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक प्रीतमसिंह लोधी एवं विशिष्ट अतिथि रामगोपाल छिरौल्या राष्ट्रीय अध्यक्ष गहोई वैश्य महासभा ने नवीन कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। सभी पदाधिकारियों ने पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण भाव से अपने दायित्वों के निर्वहन का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि विधायक प्रीतमसिंह लोधी ने अपने संबोधन में कहा कि वे सदैव वैश्य समाज की सेवा के लिए तत्पर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि समाज द्वारा भूमि की मांग किए जाने पर वे पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से कहा कि मैं कमलेश्वर मंदिर में कमल का फूल चढ़ाना चाहता हूं, आप कमल का फूल खिलाइए, मैं आपके साथ खड़ा हूं। उनके वक्तव्य का समाजजनों ने तालियों के साथ स्वागत किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे रामगोपाल छिरौल्या (डल्लू भैया) ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि गहोई समाज संगठनात्मक रूप से मजबूत है और विकास के मार्ग पर अग्रसर है। उन्होंने चुनाव से पूर्व दिए गए एजेंडे के अनुरूप कार्य करने का भरोसा दिलाया तथा युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने पर विशेष जोर दिया। महासभा की उपाध्यक्ष गीता नगरिया ने महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाओं को घर की चारदीवारी से बाहर आकर समाज सेवा में सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए। समाज की हर गतिविधि में महिलाओं की सहभागिता आवश्यक है, तभी समाज समग्र रूप से आगे बढ़ सकता है। शपथ ग्रहण समारोह में गहोई भवन ट्रस्ट अध्यक्ष संतोष तीतविलासी, अनिल निगोती, रामप्रकाश बड़ैरिया, वीरेन्द्र नौगरैया, विजय निगोती, राकेश छिरौल्या, दीपक तीतविलाशी, उदय चौधरी, रामाश्रे पहारिया, रामप्रकाश डेंगरे, रोशन चौधरी, नीरज गुप्ता, विनोद लहारिया, शिवम लहारिया एवं मीडिया प्रभारी राजीव नीखरा सहित अनेक पदाधिकारियों ने शपथ ली।

आयोजन में इन्होंने ली शपथ

नवयुवक मंडल से अध्यक्ष विकास कनकने के साथ राजीव निगोती, पुनीत दादे, अभिलाष नौगरैया, राजीव गुप्ता, अभिषेक नीखरा, धर्मेन्द्र नौगरैया, अनिल कुमार निगोती, राजेन्द्र बड़ैरिया, रामप्रकाश बड़ैरिया सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी दायित्व ग्रहण किया। वही महिला मंडल की अध्यक्ष रचना नगरिया सहित वैष्णवी निगोती, रानी नौगरैया, रोशनी चौधरी, स्मिता चौधरी, आरती नौगरैया, आरती नीखरा, नेहा कनकने, आकांक्षा निगोती, प्रज्ञा कसाव, पूर्वी दादे, पूनम पहारिया, प्रियंका चौधरी, अरती कनकने, निशा निगोती, मेघना नौगरैया, प्रीति निगोती, सोनम कसाव सहित अनेक महिलाओं ने विभिन्न पदों पर शपथ ली।

यह रहे मंचासीन

कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों में शिवशंकर सेठ अध्यक्ष चौरासी क्षेत्रीय सभा, दीपक सांवला महामंत्री महासभा, मोहन कनकने कोषाध्यक्ष महासभा, मोहन बड़कुल उपाध्यक्ष महासभा, जगदीश निगोती अध्यक्ष अयोध्या मंदिर ट्रस्ट, रमन सेठ राष्ट्रीय अध्यक्ष गहोई वैश्य नवयुवक मंडल सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। मंच संचालन संतोष चौधरी, पुनीत दादे एवं आरती नीखरा ने संयुक्त रूप से किया।

बजरंगियों का उग्र प्रदर्शन
बांग्लादेश में हिन्दूओ की निर्मम हत्या के विरोध में किया पुतला दहन, गूंजे बंगलादेश मुर्दाबाद के नारे

महेन्द्र मालवीय

बुरहानपुर में विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल के तत्वावधान में बांग्लादेश में दीपू चंद्रदास की निर्मम हत्या के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया।

कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश का पुतला दहन कर आक्रोश जताया और जमकर नारेबाजी की। बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में लगातार हिन्दुओं पर अत्याचार हो रहे हैं, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने भारत सरकार से मांग की कि बांग्लादेश में हिन्दुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े से कड़े कदम उठाए जाएं। प्रदर्शन के दौरान जिला प्रसार-प्रचार प्रमुख दिनेश राठौड़, जिला संयोजक सुनील गांठे, जिला उपाध्यक्ष संतोष पंडित, किशोर यादव, जिला विधि प्रमुख सुधीर मिसाल, दिलीप इंगले, भूषण पाटिल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भारनियमना विरोधात शेकडो शेतकऱ्यांचा
उपविभागीय अधिकारी कार्यालयावर धडक मोर्चा !

हिवरखेड दापोरी डोंगर यावली घोडदेव परिसरातील शेतकरी भारनियमनाने वैतागले ! दिवसा विजपुरवठा सुरू करण्यासाठी आंदोलनाचा इशारा !

मोर्शी तालुका प्रतिनिधी :- मोर्शी तालुक्यातील हिवरखेड 33 केव्ही उपकेंद्र अंतर्गत येणाऱ्या दापोरी डोंगर यावली सालबर्डी घोडदेव हिवरखेड बोपलवाडी इस्माइलपुर भागात अघोषित भारनियमनाने शेतकऱ्यांना वैतागून सोडले आहे. परिसरातील शेतकऱ्यांना दिवसा विजपुरवठा न करता कडाक्याच्या थंडीमध्ये रात्री वीज मिळत असल्याने हा वीज पुरवठा त्यांच्या जीवावर उठला आहे.ओलिताची सोय आहे; मात्र शेतातील मोटारपंप मनमानी भारनियमनाने चालत नसल्याने शेतकऱ्यांचा जीव टांगणीला लागला आहे.

महावितरण कंपनीने भारनियमन सुरू केल्यामुळे आंबिया बहार घेण्यासाठी संत्रा झाडांना व शेती पिकांना पाणी देण्यासाठी शेतकऱ्यांना रात्री अपरात्री घराबाहेर पडावे लागत असल्याने जीव मुठीत घेत ओलित करावे लागत असल्याचे चित्र आहे. त्यामुळे दिवसा भारनियमन न करता विजपुरवठा खंडित न करता दिवसा कायम वीज द्यावी, अशी मागणी राष्ट्रवादी काँग्रेस पक्षाचे तालुका अध्यक्ष रुपेश वाळके यांच्या नेतृत्वात उप विभागीय अधिकारी, कार्यकारी अभियंता महावितरण यांच्या कार्यालयात शेकडो शेतकऱ्यांना सोबत घेऊन धडक मोर्चा काढून निवेदन देऊन करण्यात आली.

यावर्षी संत्राचा खरीप हंगाम अवकाळी पाऊस, अतिवृष्टीमुळे वाया गेला. मात्र त्याची कसर रब्बी हंगामातून काढण्याच्या दृष्टीने बळीराजा तयारीस लागला असतांना महावितरणकडून दापोरी हिवरखेड घोडदेव डोंगर यावली सालबर्डी भागामध्ये अचानक दिवसा विजपुरवठा खंडित करत रात्री तो देण्यात येत असल्याने शेतकऱ्यांना अनेक अडचणींचा सामना करावा लागत आहे.

अमरावती जिल्ह्यामध्ये सर्वच ठिकाणी शेतीसाठी दिवसा श्री फेज वीज पुरवठा सुरू असतांना मोर्शी तालुक्यातील हिवरखेड उपकेंद्रांमध्ये भारनियमन करून चार दिवस रात्री आणि तीन दिवस दिवसा वीज मिळत असून महिन्यातून किमान सतरा दिवस हे रात्रीचे शेतकऱ्यांना वीज मिळनार असल्याने रात्रीच्या अंधारात त्यांना आपल्या पिकांना पाणी द्यावे लागत आहे. यादरम्यान साप, विंचूसह इतर हिंस्र प्राण्यांची दहशत असतांना सुद्धा जीवाची बाजी लावून पिकांना पाणी द्यावे लागत असल्याचे चित्र आहे. परिसरात सध्या बिबट्याची दहशत असून अनेक ठिकाणी त्याने प्राण्यांवर हल्ला करत त्यांचा जीव घेतला आहे. त्यामुळे महावितरणने शेतकरी हिताचा विचार करून वीज कंपनीने सद्या अघोषित भारनियमन थांबवावे व शेतकऱ्यांचे पीक वाचविण्यासाठी सहकार्य करावे अन्यथा शेतकऱ्यांच्या भावनेचा उद्रेक होवून कायदा सुव्यवस्थेचा प्रश्न निर्माण होण्याची भीती आहे त्यामुळे शेतकऱ्यांच्या ज्वलंत प्रश्नांकडे वरिष्ठांनी लक्ष देऊन भारनियमन थांबवावे अशी मागणी उप विभागीय अधिकारी रवींद्र पवार, कार्यकारी अभियंता, उप अभियंता महावितरण कंपनी यांना निवेदन देऊन करण्यात आली त्यावेळी उप विभागीय अधिकारी यांनी या विषयावर तोडगा काढण्यासाठी संबंधित विभागांची बैठक 5 जानेवारी रोजी तहसील कार्यालय मोर्शी येथे आयोजित केली असून त्यामध्ये तोडगा न निघाल्यास महावितरण कंपनी विरोधात तीव्र आंदोलन छेडण्याचा इशारा देण्यात आला त्यावेळी राष्ट्रवादी युवक काँग्रेस पक्षाचे जिल्हाध्यक्ष अंकुश घारड, राष्ट्रवादी काँग्रेस तालुका अध्यक्ष रुपेश वाळके, उपसरपंच कांचन कुकडे, प्रमोद दंडाळे, भगवत राऊत, अनिल कुकडे, मुकेश राऊत, प्रशांत समुद्रे, विशाल डेहनकर, प्रमोद देवघरे, निखिल देवताळे, अमोल बोडखे, महादेव पाटील, पावन गणोरकर, नंदकुमार ढोमणे, विजय ढोरे, वामन भडके यांच्यासह आदी शेतकरी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते।

एमर्स क्रिकेट अकादमी प्रीमियर लीग लेदर बॉल का पॉच दिवसीय टूर्नामेंट का हुआ शुभारंभ

खिलाड़ी टूर्नामेंट के माध्यम से अपने राजगढ़ क्षेत्र का नाम क्रिकेट में रोशन करें - अश्विनी दीक्षित स्पोर्ट्स ऑफिसर

दिलीप पाटीदार

राजगढ़ आज एमर्स क्रिकेट अकैडमी राजगढ़ के तत्वाधान में पांच दिवसीय क्रिकेट प्रीमियर लीग लेदर बॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ . जिसके मुख्य अतिथि श्री अश्विनी दीक्षित (pti) विकास खंड योग प्रभारी सरदारपुर, विशेष अतिथि श्री दीपक जैन उपाध्यक्ष नगर परिषद राजगढ़ एवं श्री दिलीप वागरेचा क्रिकेट प्रेमी द्वारा ध्वजारोहण एवं मैदान का पूजन कर शुभारंभ किया. सर्वप्रथम अतिथि देवो भवः के तहत अतिथियों का पुष्पमाला और स्मृति चिन्ह से स्वागत किया गया अतिथियों द्वारा मशाल प्रज्वलित कर स्टेट लेवल प्लेयर को मशाल सोंपी . खिलाड़ियों ने पूरे ग्राउंड में घूम कर बड़ी मशाल को प्रज्वलित किया . टूर्नामेंट में कुल 10 टीमें भाग ले रही है . पूरी प्रतियोगिता लेदर बॉल से खेली जाएगी ! प्रतियोगिता 5 दिनों तक लगातार होगी .अतिथियों द्वारा दोनों टीमों के बीच टॉस कर मैच का शुभारंभ भी किया . अतिथियों ने अतिथि उद्बोधन में सभी खिलाड़ियों को एक नए लक्ष्य को प्राप्त करने का आशीर्वाद दिया और क्रिकेट के माध्यम से अपने प्रदेश का नाम गौर्बान्वित करने को कहा गया . कार्यक्रम के कोच देव परमार एवं कुंदन मादड़ द्वारा पूरी प्रतियोगिता का संचालन किया जा रहा है।

ग्राम बावड़ी बड़ी में वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित

झाबुआ विकासखंड के ग्राम बावड़ी बड़ी में आयोजित वित्तीय साक्षरता शिविर का निरीक्षण अग्रणी जिला प्रबंधक श्री मुहम्मद अल्ताफ द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान शिविर में ग्रामीणों को वित्तीय साक्षरता एवं बैंकिंग के महत्व की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। शिविर में ग्रामीणों को बजट निर्माण, सूक्ष्म बचत का महत्व, ऋण लेने की प्रक्रिया, सिबिल स्कोर का महत्व, सरकारी योजनाओं की जानकारी, शिकायत निवारण प्रणाली, डिजिटल लेन-देन, ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव, सामाजिक सुरक्षा बीमा, अटल पेंशन योजना सहित बैंकों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। अग्रणी जिला प्रबंधक अल्ताफ द्वारा ग्रामीणों के साथ बैंकिंग परिचालन के दौरान आने वाली समस्याओं पर भी चर्चा की गई तथा उनके समाधान के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाना एवं उन्हें सुरक्षित एवं जागरूक बैंकिंग व्यवहार के प्रति प्रेरित करना रहा। शिविर में स्वधार संस्था से जिला प्रबंधक झाबुआ, सीएफएल इंचार्ज कन्यामोरी, विमलेश बिलवाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से मुलाकात में संगठन मजबूती पर चर्चा

दैनिक रणजीत टाइम्स - जगदीश पाल

शिवपुरी/पिछोर-नवनियुक्त ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ठाकुरदास लोधी ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों को उनके नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। बैठक के दौरान संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका और आगामी रणनीतियों को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि संगठन की मजबूती के लिए बूथ स्तर तक सक्रियता, अनुशासन और जनसंपर्क आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि जनसमस्याओं को प्राथमिकता से उठाते हुए पार्टी की नीतियों को आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए। ब्लॉक अध्यक्ष ठाकुरदास लोधी ने नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने का संकल्प व्यक्त किया। इस दौरान प्रदेश किसान कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र चौहान, जिला कांग्रेस अध्यक्ष पुरुषोत्तम रावत के नेतृत्व में अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

1 जनवरी से झाबुआ शहर एवं चयनित नगरीय क्षेत्र में हेलमेट अनिवार्य करने का निर्णय

झाबुआ, 29 दिसम्बर कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) की गाइडलाइन अनुसार ब्लैक स्पॉट, सड़क दुर्घटनाओं, चालानी कार्यवाहियों एवं हिट एंड रन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में अवगत कराया गया कि मंत्रालय के मानकों के अनुसार विगत तीन वर्षों की दुर्घटना जानकारी के आधार पर वर्ष 2025 में ग्राम बोरवा गट्टू घाटी (कुशलगढ़ मार्ग) एवं छापरी फाटा थाना कालीदेवी को ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित किया गया है। जनवरी से जून 2025 के बीच हुई दुर्घटनाओं के स्थानों का विश्लेषण कर आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही एवं नए ब्लैक स्पॉट की पहचान पर भी चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि वर्ष 2025 में अब तक 1003 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 214 व्यक्तियों की मृत्यु हुई एवं 1289 घायल हुए है। इनमें से 620 दुर्घटनाएं दोपहिया वाहनों से संबंधित रहीं तथा कुल 23462 चालानी कार्यवाहियां की गईं। हेलमेट न पहनने के कारण हुई मौतों के परिप्रेक्ष्य में हेलमेट जागरूकता अभियान को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। साथ ही समिति के द्वारा 1 जनवरी 2026 से झाबुआ शहर के साथ एक अन्य नगरीय क्षेत्र का चुनाव कर हेलमेट अनिवार्य किये जाने का निर्णय लिया गया। चालानी कार्यवाहियों में परिवहन विभाग द्वारा 4770 चालान एवं 38 ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने की कार्यवाही की गयी। हिट एवं रन प्रकरणों के संबंध में वर्ष 2025 के 13 प्रकरणों की समीक्षा की गयी। नई योजना के अनुसार हिट एंड रन में मृत्यु पर 2,00,000 तथा घायल होने पर 50,000 मुआवजा का प्रावधान है। बैठक में राहवीर योजना के अंतर्गत 2 प्रकरणों की समीक्षा भी की गई। साथ ही सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत विभिन्न चौराहों एवं सड़कों की मरम्मत, रंबल स्ट्रिप्स एवं साइनबोर्ड लगाने के प्रस्तावों पर की गई कार्यवाही पर विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर नेहा मीना ने आगामी बैठक में सड़क सुरक्षा से संबंधित अन्य सुधारात्मक कार्यवाहियों के चिन्हांकन के निर्देश दिए, ताकि चिन्हित बिंदुओं पर प्रभावी कार्यवाही की जा सके। उन्होंने स्कूली छात्र-छात्राओं को ट्रैफिक मित्र के रूप में जोड़ते हुए यातायात जागरूकता के प्रयासों को सशक्त करने तथा इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए। साथ ही सड़क सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने हेतु उपयुक्त स्थानों के चिन्हांकन के निर्देश प्रदान किए। पुलिस अधीक्षक डॉ. शिवदयाल सिंह ने निर्देशित किया कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु ब्लैक स्पॉट्स के चिन्हांकन के लिए अन्य स्थानों का चयन किया जाए। उन्होंने कहा कि चालानी कार्यवाही मुख्य सड़कों पर प्राथमिकता के साथ की जाए तथा नववर्ष के दौरान दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम करने के लिए चालानी कार्यवाही को और अधिक सख्त एवं प्रभावी बनाया जाए। इस दौरान अपर कलेक्टर सी. एस. सोलंकी, एसडीओपी झाबुआ रूपरेखा यादव एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रभारी कलेक्टर द्वारा समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली गई

लंबित प्रकरणों को समय सीमा में निराकृत करे- श्री चौधरी

दिलीप पाटीदार

धार,प्रभारी कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक चौधरी द्वारा समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में सोमवार प्रातः 11.30 कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में ली गई। प्रभारी कलेक्टर ने सर्वप्रथम सीएम हेल्पलाइन पर लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। शिकायतों को समय सीमा में संतुष्टिपूर्वक निराकृत किए जाने के निर्देश दिए। 50 दिवस के कम की लंबित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निराकृत किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में सड़क सुरक्षा मित्र प्रोग्राम के क्रियान्वयन, प्रदेश में मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 हेतु लक्ष्य, आवंटन, जिले में संचालित पिछडा वर्ग पोस्ट मैट्रिक कन्या एवं बालक छात्रावासों में सोलर पैनल स्थापित किये जाने व प्रधानमंत्री सुक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना जिले

में एमपीएफएमई योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 हेतु खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की ऋण स्वीकृति हेतु बैंकों में प्रस्तुत किये गये प्रकरणों की समीक्षा कर उन्हें समय सीमा में निराकृत किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने आयुष्मान भारत निरामयम योजना अंतर्गत पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने की समीक्षा, वन अधिकार के निरस्त दावों का शत प्रतिशत पुनरीक्षण कराने जाने की कार्यवाही, गीता भवन निर्माण हेतु भूमि आवंटन की विस्तार से समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में आवश्यक कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिये गये।

इसी के साथ ही किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग अंतर्गत भावांतर योजना से संबंधित लंबित प्रकरणों को निराकृत किए जाने के निर्देश दिए। वित्त विभाग अंतर्गत बीमा एवं केवाईसी से संबंधित प्रकरणों को निराकृत किए जाने के निर्देश दिए। स्कूल शिक्षा विभाग के लंबित प्रकरणों को निराकृत किए जाने के निर्देश दिए। समाधान ऑनलाइन अंतर्गत समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के पंजीयन अथवा राशि के भुगतान के संबंधित शिकायतों को निराकृत किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में जीर्ण-शीर्ण/त्रुटि वाले नक्शों में आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिये। खाद की उपलब्धता व वितरण सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिये। श्री चौधरी द्वारा कहा गया कि स्वास्थ्य से संबंधित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निराकृत करे। समस्त आयोग, सीएम हाउस, सीएम मॉनिट से संबंधित शिकायतों की समीक्षा कर उन्हें गुणवत्तापूर्ण समय-सीमा में निराकृत किए जाने के निर्देश दिए। समयावधि पत्रों की समीक्षा अंतर्गत वनाधिकार पत्र के दावों के संबंध में संबंधी अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए गए । बैठक में वन अधिकार के निरस्त दावों का शत-प्रतिशत पुनरीक्षण एवं नवीन प्राप्त दावों का निराकरण कार्यक्रम अनुसार किये जाने के लिये कहा गया। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत आभा आईडी की प्रगति की समीक्षा कर समस्त अधिकारी, कर्मचारियों एवं अपने परिवार के सदस्यों की आभा आईडी बनाने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री संजीव केशव पांडेय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व धार तथा सभी विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे।

ई.व्ही.एम. व्ही. व्ही.पी.ए.टी वेयरहाउस का हुआ निरीक्षण

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निर्देशो के अनुपालन में कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित ई.व्ही.एम. व्ही. व्ही.पी.ए.टी वेयरहाउस का मासिक आंतरिक निरीक्षण मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ किया गया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग, राजनैतिक दल के प्रतिनिधि श्री विष्णु प्रताप सिंह, अरफाना बेगम, निर्वाचन सुपरवाइजर श्री संजय खरे सहित अन्य संबंधित लोग मौजूद रहे।

दावरदेही में सरपंच पद हेतु मतदान संपन्न, 82% हुआ मतदान

शिवपुरी- जनपद पंचायत करैरा अंतर्गत ग्राम पंचायत दाबरदेही में सरपंच पद हेतु आज निर्वाचन संपन्न हुआ। निर्वाचन एसडीएम अनुराग निंगवाल के निर्देशन में निर्वाचन अधिकारी तहसीलदार सुश्री कल्पना शर्मा, सहायक निर्वाचन अधिकारी नायब तहसीलदार विजय त्यागी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी हेमंत सूत्रकार के निर्देशन में ग्राम पंचायत दाबरदेही में तीन मतदान केंद्रों पर 82% मतदान के साथ शांतिपूर्वक निर्वाचन संपन्न हुआ। ग्राम पंचायत दाबरदेही में तीन मतदान केंद्र बनाए गए थे, जिनमें दो मतदान केंद्र दाबरदेही में एवं एक ग्राम अंबारी में था। 1608 मतदाता में से 1318 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। उपचुनाव हेतु दो प्रत्याशी मैदान में थे, जिनमें श्रीमती कलावती एवं श्रीमती लक्ष्मी आदिवासी थी। उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत दाबरदेही में सरपंच पद के अविश्वास हो जाने के कारण सरपंच पद रिक्त था। यहां शांतिपूर्वक मतदान प्रक्रिया संपन्न कराए जाने में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस डॉ आयुष जाखड़ एवं दिनारा थाना प्रभारी रविंद्र सिंह कुशवाहा सहित पुलिस प्रशासन, जनपद पंचायत के अधिकारी कर्मचारी का भी विशेष सहयोग रहा।

जूडो खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जीते पदक

शिवपुरी- म.प्र. जूडो एसोसिएशन के तत्वाधान में इंदौर जिला जूडो एसोसिएशन द्वारा 26 से 28 दिसम्बर 2025 तक नेहरू स्टेडियम में राज्य स्तरीय जूनियर और सीनियर जूडो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें श्रीमंत माधवराव सिंधिया जिला खेल परिसर में संचालित जूडो प्रशिक्षण केन्द्र के 08 खिलाड़ियों ने भागीदारी करते हुए 06 पदक प्राप्त किये जिसमें 02 स्वर्ण एवं 04 रजत पदक अर्जित किये। पदक प्राप्त खिलाड़ी स्वर्ण पदक लोकेंद्र गुर्जर 55 किग्रा. रामलखन गुर्जन्न 81 किग्रा. वही रजत पदक जुनैद वेग मिर्जा, 90 किग्रा. उदित नारायण यादव 73 किग्रा. संजना सेन 48 किग्रा. शिवानी चिराड 57 किग्रा. में पदक अर्जित किया। जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी डॉ.के.के.खरे,

ने बताया कि श्रीमंत माधवराव सिंधिया जिला खेल परिसर में संचालित जूडो प्रशिक्षण केन्द्र के प्रशिक्षक शिशुपाल सिंह रघुवंशी के मार्गदर्शन में कई खिलाड़ियों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जूडो खेल में प्रतिनिधित्व करते हुए कई पदक अर्जित कर जिले का ही नहीं प्रदेश का नाम भी रोशन किया है। जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी ने जिले के विभिन्न खेलों में रुचि रखने वाले खिलाड़ियों से अपील की है कि वे श्रीमंत माधवराव सिंधिया जिला खेल परिसर में उपलब्ध जूडो प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर खिलाड़ी भी भविष्य खेलों के माध्यम से बना सकते है।

पाटीदार समाज ने लगातार प्रगति कर आज सर्व समाज अपना स्थान हासिल किया है

दिलीप पाटीदार

बदनावर। पाटीदार समाज ने लगातार प्रगति कर आज सर्व समाज अपना स्थान हासिल किया है, आरंभ मे मात्र कृषि पर आधारित रहने वाला यह समाज अब शिक्षा के साथ प्रशासनिक सेवाओ, व्यापार-व्यवसाय मे अपनी पहचान बनाने मे कामीयाब हुआ है । शैक्षणिक क्षेत्र मे सामाजिक संगठनो ने शिक्षा संस्थाने खोलकर शिक्षा क्षेत्र अपनी एक पहचान कायम की है लेकिन राजनीतिक क्षेत्र मे समाज के लोग सरपंच, जनपद-जिला पंचायत अध्यक्ष से आगे नही बढ पा रहे है । आज आवश्यकता है हम श्री पाटीदार समाज संगठन के माध्यम से हमारे उन युवाओ को प्रेरित कर इस क्षेत्र आगे आने हेतु तैयार करना चाहिए । राजनीतिक क्षेत्र भी समाज सेवा का सशक्त माध्यम है जिससे हम अंतिम व्यक्ति तक पहुच सकते है । उक्त विचार अरूण भीमावत विधायक शाजापुर ने श्री पाटीदार पारमार्थिक एवं शैक्षणिक न्यास द्वारा आयोजित श्री पाटीदार समाज समागम मे मुख्य अतिथि के रूप मे व्यक्त किये श्री पाटीदार समाज समागम मे महामण्डलेश्वर साध्वी आत्म चेतनागिरीजी गुफावाला शिव मंदिर,गुरूग्राम आशीर्वाददाता के रूप मे उपस्थित थी कृष्णकांत पाटीदार प्रांताध्यक्ष, म.प्र. पाटीदार समाज विशेष रूप से उपस्थित थे । समागम की अध्यक्षता न्यास अध्यक्ष मोहनलाल डेडी ने की समागम अवसर पर विशेष रूप से गोपाल शिवनारायण पाटीदार, खजराना, वरिष्ठ समाजसेवी, सुनील पाटीदार, उद्योगपति एवं समाजसेवी, धीरजभाई पटेल अखिल भारतीय कुल्मी युवा अध्यक्ष, शांतीलाल गामी अध्यक्ष श्रीराम मंदिर ट्रस्ट उज्जैन, प्रवीणभाई पटेल प्रचारक श्री उमिया माता संस्थान उंझा, प्रकाश सेठ परवलिया वरिष्ठ समाजसेवी

झाबुआ,मनोहर पाटीदार जिला संयोजक पाटीदार समाज संगठन इन्दौर, डा.प्रकाशचंद्र पाटीदार, शिक्षाविद् समाजसेवी रतलाम, योगेश मुकाती सरपंच खेडा एवं वरिष्ठ दानदाता, प्रेम पाटीदार न्यास अध्यक्ष सागवाडा, डायाभाई पाटीदार ,सागवाडा,डा.लालभाई पटेल, ट्रस्टी लूनावाडा,महेन्द्र पाटीदार,सराफा वाले अध्यक्ष श्री उमिया धाम, राउ,डा. रमेशचन्द्रजी बेलावत, अनिल आर्य,डा.भगवानभाई पाटीदार, पूर्व प्रांताध्यक्ष म.प्र. महेन्द्रभाई पटेल, प्रहलाद भाई पटेल श्री उमिया माता संस्थान उंझा, बलराम सुले अध्यक्ष पाटीदार समाज इंदौर,राधेश्याम बोरदिया, न्यास अध्यक्ष धार ,रमेश पटेल,अध्यक्ष शिक्षा समिति धार, राधेश्याम कसरावदिया मथुरालाल पाटीदार पूर्व अध्यक्ष ट्रस्ट मंडलेश्वर, नेमीचंद घाटीवाले,अध्यक्ष चित्रकुट धर्मशाला, डा.पी.एल पाटीदार प्रधान संपादक पाटीदार जागृति, शांतीलाल पाटीदार पूर्व अध्यक्ष नोबल इंटरनेशनल स्कूल रतलाम, कैलाश पटेल नोबल इंटरनेशनल स्कूल रतलाम यतिन्द्र पाटीदार जिलाध्यक्ष पाटीदार समाज संगठन जिला धार मीनेश पाटीदार अध्यक्ष तहसील अध्यक्ष पाटीदार समाज संगठन, विक्रम पटेल, सदस्य जिला पंचायत, रतनलाल पाटीदार,अमोदिया, सरदार सेना, बदनावर मातृ शक्ति मे भारती पाटीदार प्रातांध्यक्ष अध्यक्ष महिला पाटीदार समाज संगठन म.प्र., दानदाता श्रीमती जानीबाई पाटीदार, ममता शिव पाटीदार, जनपद उपाध्यक्ष, श्रीमती सुभद्रा तेजकरण चावडा पूर्व मंडी अध्यक्ष सारिका राकेश पटेल, धार जिला महिला अध्यक्ष, सारिका सुरेश पटेल,तहसील अध्यक्ष पाटीदार महिला संगठन, उपस्थित थे । इस अवसर पर भुज (गुजरात) मंदसौर, नीमच, शाजापुर, हाटपिपल्या, खजराना, राउ, बडवानी, मंडलेश्वर, रेहगावं उपस्थित थे । मंच पर वरिष्ठ न्यासी नाथूलाल धोल, दानदाता श्रीकिशन सिंघानिया उपस्थित थे । मां शारदा, भारतमाता, लौहपुरूष सरदार पटेल के तेल चित्र पर माल्यापण पश्चात साध्वी चेतनागिरीजी के सानिध्य मे नंदादीप प्रज्जवलन के पश्चात मोहनलाल डेडी, अध्यक्ष न्यास, कृष्णकांत पाटीदार, अध्यक्ष शिक्षा, दिनेश पटेल,अध्यक्ष महाविद्यालय, नारायण पटेल, अध्यक्ष विद्यालय, गणपतलाल पाटीदार, अध्यक्ष विद्यापीठ, तेजकरण चावडा, अध्यक्ष बस समिति जगदीश पटेल, रामेश्वर मुकाती, पूर्व न्यास अध्यक्ष राजेन्द्र पाटील, कैलाश पापाजी, गोपाल सेठ, राजेश पालोत्रा, संजय पटेल ,हवतीलाल पाटीदार राजेश होती गोपालकृष्ण पाटीदार ,रमेश पटेल , सुभाष पाटीदार,विवेक पाटीदार एवं गुरूप्रीतसिह सूलूजा सी.ईओ., रविन्द्र शर्मा, प्राचार्य महाविद्यालय, कमलेश बैरागी, प्राचार्य विद्यालय, आदि ने सभी न्यासियो ने बेच, पुष्प, मोतियो की माला, शाल,अंगवस्त्रम,प्रतिक चिन्ह आदि से किया । इस अवसर वरिष्ठ दानदाता स्व.श्री पूनमचंदजी छपनिया परिवार मे राधेश्याम बाबूलाल अनिल-अजय, जलोदखेता,का स्व. श्री रामरतनजी भैसावाला परिवार,कोद मे ईश्वर,दिलीप,संतोष एवं स्वप्निल,का, गणपतलाल,बालू,धन्नालाल एवं बहन जानीबाई रायपुरिया,स्व.रामरतनजी चावडा परिवार कोद मे तेजकरण, ईश्वर, अशोक-इंदिरा का एवं नये दानदाता श्रीश्रीकिशन सिंघानिया परिवार खेडा, योगेश गेंदालालजी परिवार, खेडा का सपरिवार बहुमान किया गया । इस अवसर न्यास के चालीस वर्ष पूर्ण होन पर स्मारिका "अभिव्यक्ति"का विमोचन मंचासीन अतिथियो ने किया । इसका संपादन युवा न्यासी दशरथ पाटीदार ने किया । कार्यक्रम का संचालन न्यासी कन्हैयालाल पाटीदार एवं युवा न्यासी दशरथ पाटीदार ने किया । अंत मे रामचंद्र सेठ पाटीदार खेडा ने किया । कार्यक्रम का संयोजन पूनमचंद ठेकेदार, रतनलाल केन्द्रफाटा ने किया । उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी गणेश भावसार ने दी ।

COTPA अधिनियम के तहत तंबाकू विक्रेताओं पर कार्यवाही, अवैध चाइनीज मांझे की भी सघन जांच

झाबुआ, 30 दिसम्बर कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार जिले में तंबाकू निषेध एवं नियंत्रण अधिनियम, 2003 की धारा 6 (ख) के सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तंबाकू उत्पादों का विक्रय करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध सघन एवं सतत कार्यवाही की जा रही है। इस अभियान के अंतर्गत मेघनगर क्षेत्र में 05 दुकानों पर चालानी कार्यवाही करते हुए कुल 1000 का जुर्माना वसूल किया गया। पेटलावद में 05 दुकानों पर चालानी कार्यवाही कर 1500 का जुर्माना वसूला गया तथा लगभग 3.50 किलोग्राम तंबाकू सामग्री जप्त की गई। राणापुर क्षेत्र में भी नियमानुसार संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। झाबुआ नगर में दुकानदारों को तंबाकू नियंत्रण कानून के प्रावधानों की जानकारी देते हुए सख्त समझाइश दी गई तथा लगभग 5 किलोग्राम तंबाकू सामग्री जप्त की गई। थांदला में 7 दुकानों पर चालानी कार्यवाही करते हुए कुल 1400 का जुर्माना वसूल किया गया एवं जप्ती की कार्यवाही की गई। इसी क्रम में कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार अवैध चाइनीज मांझे के

विक्रय एवं भंडारण को लेकर भी सघन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान जिले में कहीं भी चाइनीज मांझा प्राप्त नहीं हुआ। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया कि जनस्वास्थ्य, विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं आम नागरिकों के जीवन की रक्षा के दृष्टिगत इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।

पेंशन सत्यापन एवं नशामुक्ति जागरूकता अभियान

कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार एवं सामाजिक न्याय विभाग के उपसंचालक श्री पंकज सांवले के मार्गदर्शन में कलापथक दल द्वारा जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान संचालित किया गया। अभियान के अंतर्गत कलापथक दल की श्रीमती कुसुम भूरिया एवं श्रीमती सुमन सलाम द्वारा विशेष रूप से वृद्धजन, विधवा महिलाएँ, दिव्यांगजन एवं विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याएँ जानी गईं। इस दौरान पेंशन से संबंधित समस्त आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी गई तथा हितग्राहियों को अपने-अपने जनपद क्षेत्रों में भौतिक सत्यापन एवं केवाईसी अद्यतन कराकर पुनः पेंशन प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही विद्यालयों में विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। उन्हें बताया गया कि तंबाकू, बीड़ी, गुटखा एवं अन्य नशीले पदार्थों का सेवन शरीर के लिए अत्यंत हानिकारक है, जिससे लिवर, किडनी खराब होने एवं कैंसर जैसी गंभीर बीमारियाँ होने की संभावना बढ़ जाती है। बच्चों को यह भी समझाया गया कि यदि उनके आसपास दादा, काका, बाबा, माँ अथवा अन्य परिजन नशे का सेवन करते हैं, तो उन्हें प्रेमपूर्वक रोकने का प्रयास करें। कलापथक दल द्वारा विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें नशे से दूर रहकर अपने उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने का संदेश दिया गया तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया गया।

मनरेगा का नाम बदलने के विरोध में दिग्विजय सिंह निकालेंगे पदयात्रा

5 जनवरी से शिवराज के गृह जिले सीहोर से होगी शुरुआत

सीहोर। केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना का नाम बदलने को लेकर कांग्रेस ने तीखा विरोध शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में राज्यसभा सांसद और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के गृह जिले सीहोर से पदयात्रा निकालेंगे। यह पदयात्रा 5 जनवरी से शुरू करने की तैयारी है। सीहोर पहुंचे दिग्विजय सिंह ने मीडिया से बातचीत में बताया कि केंद्र सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी मनरेगा में बदलाव करते हुए इसका नाम विकसित भारत गारंटी रोजगार आजीविका मिशन ग्रामीण (VB-G-RAM-G) कर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस बदलाव के खिलाफ है और इसी के विरोध में सीहोर जिले की किसी ग्राम पंचायत से पैदल यात्रा निकाली जाएगी। दिग्विजय सिंह ने कहा कि यह यात्रा 5 जनवरी से शुरू करने का विचार है और इसके माध्यम से सरकार के फैसले के खिलाफ जनता को जागरूक किया जाएगा। दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि मनरेगा का नाम बदलकर केंद्र सरकार राष्ट्रपिता

महात्मा गांधी का अपमान कर रही है और उनका नाम योजनाओं से हटाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि मनरेगा सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण गरीबों के रोजगार और सम्मान से जुड़ा कानून है, जिसे कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना के नाम में बदलाव को लेकर लोकसभा में बिल भी पास हो चुका है। इस फैसले के बाद से ही कांग्रेस लगातार विरोध जता रही है। पार्टी का कहना है कि सरकार नाम बदलने के बहाने मनरेगा की मूल भावना और उसके अधिकार आधारित स्वरूप को खत्म करना चाहती है। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक के बाद ऐलान किया था कि पार्टी 5 जनवरी से देशभर में 'मनरेगा बचाओ अभियान' शुरू करेगी। उन्होंने कहा था कि जिस तरह तीन कृषि कानूनों के खिलाफ देशभर में आंदोलन हुआ था, उसी तरह मनरेगा को कमजोर करने के विरोध में भी व्यापक जन आंदोलन चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत रैलियां, जनसभाएं और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सियासी घमासान तेज, पीसी शर्मा बोले संगठन मजबूती की बात करते हैं दिग्विजय

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह के आरएसएस को लेकर दिए गए बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में घमासान मचा हुआ है। उनके बयान को लेकर जहां एक ओर सत्तारूढ़ भाजपा के नेता तीखे हमले कर रहे हैं, वहीं कांग्रेस के भीतर भी मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। इस पूरे विवाद के बीच कांग्रेस के पूर्व मंत्री पीसी शर्मा का बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने दिग्विजय सिंह का बचाव करते हुए उनके इरादों को संगठन से जोड़कर बताया है। पीसी शर्मा ने कहा कि दिग्विजय सिंह ऐसे नेता हैं, जिन्होंने हमेशा कांग्रेस संगठन की मजबूती की बात की है। वे लगातार इस बात को लेकर सजग हैं कि कांग्रेस को हो रही चुनावी हार कैसे रोकी जाए। महाराष्ट्र, हरियाणा, मध्य प्रदेश और बिहार में मिली हार को लेकर दिग्विजय सिंह चिंतित हैं और चाहते हैं कि कांग्रेस मजबूत होकर चुनाव जीते। पीसी शर्मा ने कहा कि दिग्विजय सिंह राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने की बात करते हैं। नेहरू-गांधी परिवार के प्रति उनकी निष्ठा जगजाहिर है और भाजपा भी उनकी निष्ठा और राजनीतिक समझ का लोहा मानती है। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह के पास पक्ष हो या विपक्ष, जो भी मदद के लिए गया, उन्होंने हमेशा सहयोग किया है। पीसी शर्मा ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में बड़ा अंतर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह हिंदुत्व की बात करते हैं, लेकिन बांग्लादेश जैसे देशों में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है। उन्होंने कहा कि आज देश में भी सनातन धर्मियों, साधु-संतों और विभिन्न संगठनों में सरकार के खिलाफ नाराजगी है। पीसी शर्मा ने इंदिरा गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने देश की सुरक्षा के लिए कठोर फैसले लिए थे और पाकिस्तान व बांग्लादेश को अलग-अलग कर दिया था, लेकिन मौजूदा सरकार सनातन धर्मियों की सुरक्षा में नाकाम साबित हो रही है। वहीं भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने दिग्विजय सिंह पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि उनका निशाना दिग्विजय सिंह पर है और सवाल उठाया कि आज तक दिग्विजय सिंह राम मंदिर के दर्शन के लिए क्यों नहीं गए। रामेश्वर शर्मा ने आरोप लगाया कि दिग्विजय सिंह चर्च जाकर क्रॉस को चूमते हैं और मजारों पर हरी चादर चढ़ाते हैं, लेकिन राम मंदिर जाने से परहेज करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर दिग्विजय सिंह खुद को हिंदू मानते हैं तो सीना ठोककर यह स्वीकार करें कि हिंदू उनके पूर्वज थे। रामेश्वर शर्मा ने दिग्विजय सिंह को नसीहत देते हुए कहा कि सुधर जाओ, नहीं तो जय जय श्रीराम। इस पूरे मामले में प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने भी दिग्विजय सिंह पर निशाना साधा। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह द्वारा संघ की तारीफ सुनकर ओसामा बिन लादेन की आत्मा रो रही होगी और जाकिर नाइक खुद को अनाथ महसूस कर रहा होगा। नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि दिग्विजय सिंह ही भगवा आतंकवाद जैसे शब्द के जनक रहे हैं और अब उनके मुंह से संघ और राम का नाम सुनना आश्चर्यजनक है। उन्होंने सवाल उठाया कि कहीं यह सब कांग्रेस हाईकमान पर दबाव बनाने की रणनीति तो नहीं है, क्योंकि दो महीने बाद राज्यसभा के चुनाव होने वाले हैं। नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि 2020 में भी राज्यसभा जाने के लिए सरकार को अस्थिर करने की कोशिश की गई थी और अब एक बार फिर वही दबाव की राजनीति की जा रही है। दिग्विजय सिंह के बयान को लेकर प्रदेश की राजनीति में बयानबाजी लगातार तेज होती जा रही है। आने वाले दिनों में यह विवाद और गहराने की संभावना जताई जा रही है, क्योंकि मामला सिर्फ एक बयान तक सीमित नहीं रहकर कांग्रेस और भाजपा दोनों के भीतर सियासी रणनीति का रूप लेता नजर आ रहा है।

बिजली बिल जमा नहीं करने पर बकायादार की भूमि कुर्की की कार्यवाही

भोपाल, नप्र। प्रदेश में बिजली बिल जमा नहीं करने वाले बकायादारों की भूमि अथवा संपत्ति कुर्क करने की कार्यवाही की जा रही है। बिजली बिल वसूली को लेकर भूमि कुर्की का पहला मामला सामने आया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा दतिया जिले के बड़े बकायादार उच्चदाव उपभोक्ता के खिलाफ कुर्की की कार्रवाई की गई है। कंपनी के दतिया वृत्त के महाप्रबंधक श्री धर्मेन्द्र कौशिक ने बताया कि मैसर्स पीताम्बरा स्टोन क्रेशर के संचालक श्री सत्यवीर सिंह गुर्जर पर कंपनी का 48,39,505/- रू. बिल बकाया था। उन्होंने यह राशि जमा नहीं की तो कंपनी द्वारा जिला प्रशासन के माध्यम से भूमि कुर्की की कार्रवाई की गई। दतिया वृत्त के महाप्रबंधक श्री धर्मेन्द्र कौशिक ने बताया कि दतिया जिले के ग्राम गोविन्दगढ में श्री सत्यवीर सिंह गुर्जर, निवासी मुरैना द्वारा पीताम्बरा स्टोन केशर के नाम से उच्चदाव कनेक्शन लिया गया था, लेकिन उपभोक्ता के द्वारा लगातार विधुत बिल राशि का भुगतान न करने के कारण 48,39,505 /- रू. बकाया हो गई। बिजली कंपनी द्वारा शुरूआत से ही कनेक्शन विच्छेदन की कार्यवाही की गई। इसके बावजूद भी उपभोक्ता द्वारा राशि का भुगतान नहीं किया गया। इस संबंध में कंपनी द्वारा कुर्की की कार्यवाही करने हेतु जिला प्रशासन को अवगत कराया गया। कंपनी की बकाया बिल राशि को गंभीरता से लेते हुए जिला कलेक्टर के निर्देशन में तहसीलदार दतिया द्वारा खसरा क्र. 522/1 एवं 522/2 के 12 नम्बर कॉलम में एंट्री कर संबधित उपभोक्ता की भूमि से सामान की जब्ती की कार्यवाही की गई है। साथ ही माइनिंग की लीज निरस्त करने की भी कार्यवाही की गई है। दतिया वृत्त के महाप्रबंधक श्री धर्मेन्द्र कौशिक ने बताया कि बकायादार उपभोक्ताओं ने अपील है कि वे अपना बकाया जमा करा दें।

उन्होंने कहा कि दतिया जिले के समस्त बड़े बकायादारों की कुर्की, बंदूक लायसेंस निलबंन आदि कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। वर्तमान में समस्त विधुत बकायादारों से अपील है कि मध्य प्रदेश शासन की समाधान योजना का लाभ लें और बकाया राशि का भुगतान करें, ताकि कुर्की जैसी अप्रिय कार्यवाही से बचा जा सके।

भ्रष्टाचार का पर्याय बन गई थी मनरेगा, विकसित भारत गारंटी रोजगार आजीविका मिशन ग्रामीण से आएगी पारदर्शिता : शिवराज सिंह चौहान

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में विकसित भारत गारंटी रोजगार आजीविका मिशन ग्रामीण बिल को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मनरेगा योजना पर तीखा हमला बोला। उन्होंने मनरेगा को भ्रष्टाचार का पर्याय बताते हुए कहा कि यह योजना न तो मजदूरों के लिए उपयोगी रह गई थी और न ही गांवों के वास्तविक विकास में कारगर साबित हो रही थी। इसी वजह से सरकार ने इसे बदलकर विकसित भारत गारंटी रोजगार आजीविका मिशन ग्रामीण योजना लागू की है।शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि करीब 20 साल पहले मनरेगा योजना शुरू की गई थी। इससे पहले भी कई रोजगार योजनाएं थीं, जिनका समय-समय पर स्वरूप और नाम बदला गया। मनरेगा योजना धीरे-धीरे भ्रष्टाचार का पर्याय बन गई थी। मजदूरों की जगह मशीनों और ठेकेदारों से काम कराया जाने लगा। एक ही काम को बार-बार कागजों में दिखाया गया और ओवर स्टेटमेंट के जरिए बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां हुईं। इसी को देखते हुए पिछले एक साल से इस योजना में बदलाव को लेकर गंभीर विचार किया जा रहा था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मनरेगा के तहत खर्च किया गया पैसा न तो मजदूरों के जीवन स्तर में सुधार ला पाया और न ही गांवों के सुनियोजित विकास में सही तरीके से उपयोग हो सका। इन कमियों को दूर करने के लिए विकसित भारत गारंटी रोजगार आजीविका मिशन ग्रामीण योजना लाई गई है। इस नई योजना के तहत मजदूरों को मिलने वाले रोजगार की गारंटी 100 दिनों से बढ़ाकर 120 दिन कर दी गई है। इसके लिए पर्याप्त वित्तीय प्रावधान किए गए हैं और भविष्य में जरूरत के अनुसार बजट भी बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि

सहायक स्टाफ को वेतन नहीं मिलने की शिकायतें लगातार सामने आ रही थीं, इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासनिक व्यय को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 9 प्रतिशत किया गया है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विकसित भारत गारंटी रोजगार आजीविका मिशन ग्रामीण योजना में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। खेती के दौरान बुवाई और कटाई के समय राज्यों को इस योजना के तहत चल रहे कार्य अस्थायी रूप से स्थगित करने का अधिकार दिया गया है, ताकि किसानों को किसी भी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि संसद में विपक्ष ने इस बिल को लेकर बेवजह हंगामा किया, लेकिन सरकार ने पूरी दृढ़ता के साथ अपना पक्ष रखा। पंजाब विधानसभा में इस कानून के खिलाफ प्रस्ताव लाने की बात पर उन्होंने कहा कि यह संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ है और पूरी तरह अमर्यादित तथा अंधविरोध की राजनीति को दर्शाता है। पंजाब को लेकर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वहां भारी भ्रष्टाचार व्याप्त है। आधे से अधिक गांवों का अब तक ऑडिट नहीं हुआ है और जिन लोगों ने भ्रष्टाचार किया, उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। मजदूरों का आरोप है कि उन्हें समय पर भुगतान तक नहीं मिल पा रहा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शिवराज सिंह चौहान ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव तेज गति से काम कर रहे हैं और उनमें जबरदस्त ऊर्जा है। वे तेजी से निर्णय लेकर प्रदेश को आगे बढ़ा रहे हैं। राहुल गांधी के इस बयान पर कि मंत्री को ही योजना की जानकारी नहीं है, शिवराज सिंह चौहान ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी कल्पना लोक में रहते हैं और देश की वास्तविकताओं से उनका कोई सीधा सरोकार नहीं है। संघ को लेकर दिग्विजय सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राजनीति में बयान देते समय नेताओं को अपनी बुद्धि और विवेक से काम करना चाहिए।

मेट्रो स्टेशन के नाम पर हरियाली पर खतरा, रानी सराय के 225 पेड़ बचाने महापौर को सौंपा ज्ञापन, जनहित पार्टी का आंदोलन तेज़

इंदौर। इंदौर मेट्रो परियोजना के तहत रीगल चौराहा स्थित रानी सराय क्षेत्र में प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन के कारण बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई को लेकर विरोध तेज़ होता जा रहा है। इसी कड़ी में जनहित पार्टी के एक प्रतिनिधि मंडल ने इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव से मुलाकात कर रानी सराय में काटे जाने वाले पेड़ों की कटाई को तत्काल रोकने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मंडल ने महापौर को अवगत कराया कि मेट्रो स्टेशन की जद में आने वाले रानी सराय क्षेत्र में करीब 225 पेड़ मौजूद हैं, जिनकी विभिन्न प्रजातियों का पूरा विवरण और पंचनामा तैयार कर ज्ञापन के साथ सौंपा गया है। जनहित पार्टी ने कहा कि ये पेड़ केवल हरियाली ही नहीं, बल्कि शहर के पर्यावरण संतुलन और स्थानीय निवासियों के जीवन से सीधे जुड़े हुए हैं। इन पेड़ों की कटाई से न केवल पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचेगा, बल्कि क्षेत्र की पहचान और ऐतिहासिक स्वरूप भी प्रभावित होगा। ज्ञापन के दौरान मेट्रो परियोजना से प्रभावित

अन्य क्षेत्रों पर भी चर्चा की गई। विशेष रूप से मल्हारगंज क्षेत्र का मुद्दा उठाया गया, जहां मेट्रो स्टेशन और उससे जुड़ी संरचनाओं के कारण बगीचों के समाप्त होने और कई लोगों के मकानों के प्रभावित होने की आशंका जताई गई। जनहित पार्टी के प्रतिनिधियों ने कहा कि विकास के नाम पर आम नागरिकों के घरों और हरित क्षेत्रों को नुकसान पहुंचाना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है और इसके वैकल्पिक समाधान तलाशे जाने चाहिए। जनहित पार्टी ने स्पष्ट किया कि यह केवल ज्ञापन तक सीमित रहने वाला मुद्दा नहीं है, बल्कि इसे जन आंदोलन का रूप दिया जाएगा। इसी अभियान को आगे बढ़ाते हुए पार्टी के कार्यकर्ता कल सुबह 10 बजे रीगल चौराहे पर पुनः एकत्र होकर जन जागरण अभियान चलाएंगे, ताकि आम नागरिकों को इस समस्या के प्रति जागरूक किया जा सके और अधिक से अधिक लोगों को इस आंदोलन से जोड़ा जा सके। इसके बाद सुबह 11 बजे जनहित पार्टी का प्रतिनिधि मंडल संभाग आयुक्त से भी मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपेगा और मेट्रो परियोजना के कारण होने वाले पर्यावरणीय और सामाजिक नुकसान की जानकारी देगा। पार्टी का कहना है कि यदि समय रहते इन मुद्दों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया, तो आने वाले समय में इंदौर को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

बैटरी ऑटो को 10 सेक्टर में बांटने के आदेश के खिलाफ 12 जनवरी को हड़ताल व प्रदर्शन

इंदौर बैटरी ऑटो रिक्शा चालक महासंघ कमिश्नर को सौंपेगा ज्ञापन

इंदौर। सड़क सुरक्षा समिति जिला प्रशासन, परिवहन विभाग, इंदौर यातायात पुलिस, ने बैटरी रिक्शा संचालन को 10 सेक्टर में बांटा गया है जिसका विरोध आम बैटरी रिक्शा चालक कर रहे हैं। इस निर्णय को लेकर सभी में ऑटोचालकों में काफी आक्रोश है। इस निर्णय को लेकर महासंघ ने महापंचायत का आयोजन किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में शहर के ऑटो रिक्शा चालक शामिल हुए थे। सभी ने इंदौर को 2 सेक्टर में बांटने का सुझाव दिया था, जिसे पूर्व और पश्चिम क्षेत्र में बांटा जाए, ताकि ऑटो रिक्शा का संचालन हो सके। रिक्शा चालकों पर प्रशासन द्वारा मनमाने निर्णय थोपने के उद्देश्य से यातायात पुलिस चालानी कार्यवाही कर मानसिक दबाव बना रही है, जिसका हम विरोध करते है। इस मुद्दे को लेकर 12 जनवरी को बैटरी ऑटो रिक्शा चालक अपना व्यापार व्यवसाय बंद कर हड़ताल पर करेंगे और गांधी हॉल पर एकत्रित होकर जंगी प्रदर्शन कर कमीश्नर को ज्ञापन भी सौंपेंगे। यह जानकारी इंदौर बैटरी ऑटो रिक्शा चालक महासंघ संस्थापक अध्यक्ष राजेश बिड़कर, श्याम कुशवाह, रोहित यादव, सुमित साहू, प्रदीप कोण्डला, आदित्य पवार ने इंदौर प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। श्री बिड़कर ने बताया कि यह सब यातायात सुधार के लिए नहीं हो रहा सिर्फ सिटी बसों को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस मामले को लेकर हम प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भी मिलेंगे। वर्तमान में 10500 बैटरी ऑटो रिक्शा का संचालन इंदौर में हो रहा है। इंदौर को 10 सेक्टर में बांट दिया जाता है तो किराए का बोझ बढ़ेगा आम लोगों पर पड़ेगा। 10 सेक्टर में विभाजित करने से प्रत्येक मार्ग पर 1000 बैटरी ऑटो रिक्शा संचालन होगा जिससे यातायात ज्यादा प्रभावित होगा। श्री बिड़कर ने बताया कि अधिकारियों ने इंदौर को एक प्रयोगशाला बना दिया है। सबसे ज्यादा सिटी बसें ट्रेफिक को जाम करती हैं। बसें सवारी के लिए कहीं भी बीच रोड पर खड़ी हो जाती हैं, जो ट्रैफिक जाम करती हैं। बैटरी ऑटो रिक्शा के लिए कहीं भी यात्री प्रतीक्षालय नहीं है, संबसे पहले यात्री प्रतीक्षालय बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि इंदौर में 6000 से अधिक बैटरी ऑटो रिक्शा के इंश्योरेंस और फिटनेस नहीं है इसे पूर्ण करने के लिए एक माह का समय भी महासंघ ने मांगा है। नशे में और बिना कागज गाड़ी चलाने, नाबलिग बच्चों द्वारा बैटरी रिक्शा का संचालन करने के खिलाफ कड़ी कार्यवाही होना चाहिए। प्रशासन को चाहिए कि सभी ऑटो चालकों को वर्दी अनिवार्य करे, ताकि उनकी पहचान बन सके।

खत्रीखेड़ी गांव में राम मंदिर की भूमि पर अवैध निर्माण का आरोप, कलेक्टर कार्यालय में शिकायत

इंदौर। इंदौर जिले के खत्रीखेड़ी गांव में राम मंदिर की भूमि पर अवैध निर्माण का गंभीर मामला सामने आया है। ग्रामवासियों ने कलेक्टर कार्यालय में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि मनुशंकर पिता केदारेश्वर शर्मा ने कथित रूप से फर्जी तरीके से उक्त भूमि अपने नाम दर्ज करवा ली है और वहां 17 दुकानों का निर्माण कराया जा रहा है। शिकायत में ग्रामवासियों का कहना है कि संबंधित व्यक्ति द्वारा नगर तथा ग्राम निवेश कार्यालय से नक्शा अनुमोदन कराए बिना और कलेक्टर कार्यालय की कॉलोनी सेल से विकास अनुमति लिए बिना निर्माण कार्य किया जा रहा है, जो नियमों के विरुद्ध है। इस मामले पर अपर कलेक्टर रोशन राय ने बताया कि प्रकरण को जांच के लिए संबंधित एसडीएम को निर्देशित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं कलेक्टर कार्यालय का भी कहना है कि शिकायत के आधार पर जांच प्रक्रिया जारी है तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। ग्रामवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि धार्मिक स्थल की भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

पीथमपुर सेक्टर-7 में भू-स्वामियों को मिला बड़ा लाभ, वाणिज्यिक भूखण्डों का आवंटन तेज़, 47 करोड़ की संपत्ति सौंपी गई

इंदौर। मध्यप्रदेश निवेश क्षेत्र विकास नियमों के अंतर्गत पीथमपुर के स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाउनशिप सेक्टर-7 का विकास तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम एम.पी.आई.डी.सी. द्वारा लगभग 452 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा है। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें भूमि अधिग्रहण पारंपरिक पद्धति के बजाय भूमि पूलिंग व्यवस्था के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें भू-स्वामियों की आपसी सहमति को प्राथमिकता दी गई है। एम.पी.आई.डी.सी. के कार्यकारी संचालक श्री हिमांशु प्रजापति ने जानकारी देते हुए बताया कि जिन भू-स्वामियों ने इस योजना के अंतर्गत अपनी भूमि समर्पित की है, उन्हें प्रतिफल के रूप में कलेक्टर गाइडलाइन मूल्य की दो गुना राशि प्रदान की जा रही है। इस राशि में से 20 प्रतिशत का भुगतान नगद किया जाता है, जबकि शेष 80 प्रतिशत राशि के समतुल्य विकसित वाणिज्यिक और आवासीय भूखण्ड भू-स्वामियों को आवंटित किए जाते हैं। यह व्यवस्था भू-स्वामियों के आर्थिक हितों की सुरक्षा के साथ-साथ क्षेत्र के सुनियोजित विकास को भी सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने बताया कि अब तक योजना के अंतर्गत भू-स्वामियों को कुल 3735 भूखण्ड आवंटित किए जा चुके हैं, जिनका कुल मूल्य लगभग 454 करोड़ रुपये है। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि योजना को लेकर भू-स्वामियों का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है और वे इस विकास प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं।

मंगलवार को एम.पी.आई.डी.सी. द्वारा 14 भू-स्वामियों को नियमानुसार वाणिज्यिक भूखण्डों के चयन एवं आवंटन के लिए आमंत्रित किया गया था। इस प्रक्रिया के दौरान 6 भू-स्वामियों को 47 करोड़ रुपये मूल्य के कुल 47 वाणिज्यिक भूखण्ड आवंटित किए गए। वहीं 2 भू-स्वामियों ने अन्य स्थान पर भूखण्ड की इच्छा व्यक्त की, जिनका आवंटन आगामी प्रक्रिया में किया जाएगा। इसके अलावा 7 ऐसे भू-धारक, जो बैठक में उपस्थित नहीं हो सके, उन्हें सॉफ्टवेयर आधारित लॉटरी पद्धति के माध्यम से भूखण्ड आवंटित किए जाएंगे। कार्यकारी संचालक श्री प्रजापति ने भू-स्वामियों को यह भी अवगत कराया कि वाणिज्यिक भूखण्डों के आवंटन के बाद यदि किसी भू-स्वामी के प्रतिफल की राशि शेष रहती है, तो उसके बदले उन्हें शीघ्र ही सॉफ्टवेयर के माध्यम से लॉटरी प्रक्रिया द्वारा आवासीय भूखण्ड आवंटित किए जाएंगे। एम.पी.आई.डी.सी. ने भू-स्वामियों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस पूरी प्रक्रिया को तेज कर दिया है, ताकि उन्हें जल्द से जल्द उनके भूखण्ड प्राप्त हो सकें और वे भविष्य से जुड़े निर्णय समय पर ले सकें। एम.पी.आई.डी.सी. का मानना है कि इस तेज़ और पारदर्शी प्रक्रिया से न केवल भू-स्वामियों को सीधा लाभ मिलेगा, बल्कि पीथमपुर सेक्टर-7 क्षेत्र में आवासीय और वाणिज्यिक विकास भी तेजी से होगा। इससे उद्योग, रोजगार और शहरी सुविधाओं का विस्तार होगा और यह क्षेत्र आने वाले समय में एक आधुनिक और सुव्यवस्थित औद्योगिक व आवासीय हब के रूप में विकसित होगा।

बुढ़ी बरलई में 251 जोड़ों के सामूहिक विवाह सम्मेलन की सख्त जांच, प्रशासन की तत्परता से बाल विवाह पर लगी रोक

इंदौर। इंदौर जिले में बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के खिलाफ जिला प्रशासन की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई एक बार फिर सामने आई है। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में प्रशासन और महिला बाल विकास विभाग की सक्रियता के चलते बुढ़ी बरलई में आयोजित 251 जोड़ों के सामूहिक विवाह सम्मेलन में किसी भी नाबालिग का विवाह संपन्न नहीं होने पाया गया। इस पूरे घटनाक्रम ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि जिले में बाल विवाह को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन को 28 दिसंबर 2025 को सुबह करीब 9 बजे बाल संरक्षण अधिकारी, जिला देवास के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना में बताया गया था कि बुढ़ी बरलई, इंदौर में हरिकृष्ण मानव गो सेवा संस्थान, देवास के तत्वावधान में 251 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, जिसमें तीन नाबालिगों, दो बालक और एक बालिका के शामिल होने की आशंका जताई गई थी। सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आ गया। परियोजना अधिकारी सांवेर, जिला इंदौर श्री विक्रम सिंह चौहान ने बताया कि जिला कार्यक्रम अधिकारी से निर्देश मिलते ही पर्यवेक्षक श्रीमती सीमा जैन और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती सीमा तिवारी के साथ तत्काल मौके पर पहुंचकर पूरे सम्मेलन की सघन जांच की गई। प्रशासन और महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त कार्रवाई के दौरान सभी जोड़ों के दस्तावेजों की गहनता से जांच की गई। जांच में यह तथ्य सामने आया कि जिन तीन नाबालिगों के शामिल होने की सूचना थी, उनके आवेदन पूर्व में ही आयोजक संस्था के पास पहुंचे थे, लेकिन उम्र और पात्रता पूरी नहीं होने के कारण उन्हें पहले ही निरस्त कर दिया गया था। मौके पर किसी भी नाबालिग का विवाह होते हुए नहीं पाया गया और सभी विवाह विधिवत रूप से बालिग जोड़ों के ही संपन्न हो रहे थे। हरिकृष्ण मानव गो सेवा संस्थान के आयोजकों ने प्रशासन को लिखित रूप में स्पष्टीकरण देते हुए स्पष्ट किया कि संस्था द्वारा केवल बालिग जोड़ों के सामूहिक विवाह और श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया है। संस्था ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी नाबालिग का विवाह न तो कराया गया है और न ही करने की अनुमति दी गई है। प्रशासन की इस त्वरित और सख्त कार्रवाई से यह साफ हो गया है कि इंदौर जिले में बाल विवाह रोकने को लेकर प्रशासन पूरी तरह गंभीर है। समय पर मिली सूचना, त्वरित जांच और सख्त निगरानी के कारण एक संभावित कुरीति पर पहले ही रोक लग गई। यह कार्रवाई न केवल कानून के पालन का उदाहरण है, बल्कि समाज को भी यह संदेश देती है कि बाल विवाह के खिलाफ प्रशासन और समाज दोनों को मिलकर सजग रहना होगा।

हवा में राहत की खबर, कम जल रही पराली

सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में हर सर्दी प्रदूषण की मार झेलनी पड़ती है, लेकिन इस बार एक सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस साल पराली जलाने का दिल्ली के पीएम2.5 प्रदूषण में योगदान काफी कम होकर मात्र 3.5 प्रतिशत रह गया है। पिछले साल यह 10.6 प्रतिशत था।

नोएडा के कार्यकर्ता अमित गुप्ता की आरटीआई से मिले इन आंकड़ों से पता चलता है कि पराली जलाने का योगदान लगातार घट रहा है। साल 2020 और 2021 में यह 13 प्रतिशत था, 2022 में 9 प्रतिशत, 2023 में 11 प्रतिशत, 2024 में 10.6 प्रतिशत और अब 2025 में सिर्फ 3.5 प्रतिशत रह गया है। ये आंकड़े इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मेटियरोलॉजी के डिसीजन सपोर्ट सिस्टम (डीएसएस) पर आधारित हैं। यह सिस्टम सैटेलाइट डेटा, हवा की दिशा और मौसम के पैटर्न से प्रदूषण का हिसाब लगाता है।ये आंकड़े इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मेटियरोलॉजी के डिसीजन सपोर्ट सिस्टम (डीएसएस) पर आधारित हैं। यह सिस्टम सैटेलाइट डेटा, हवा की दिशा और मौसम के पैटर्न से प्रदूषण का हिसाब लगाता है। मुख्य प्रदूषण दिल्ली के स्थानीय कारणों से आ रहा है, जैसे वाहन, उद्योग, निर्माण कार्य और कचरा जलाना।

विशेषज्ञों की चिंता-आंकड़े कम बताए जा सकते हैं

कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि ये आंकड़े वास्तविकता से कम हो सकते हैं। वजह है पंजाब और हरियाणा के किसानों की नई रणनीति। थिंक टैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, किसान अब पराली दोपहर 3 बजे के बाद जलाते हैं, ताकि सैटेलाइट की नजर से बच सकें। ज्यादातर सैटेलाइट दोपहर 2-30 बजे तक ही स्कैन करते हैं, जिससे कई आग की घटनाएं गिनती में नहीं आतीं। सीपीसीबी अधिकारियों ने डीएसएस की विधि का बचाव किया है। उनका कहना है कि अंतिम गणना में शाम 5 बजे तक का डेटा शामिल किया जाता है। फिर भी, पर्यावरण विशेषज्ञ सुनील दहिया जैसे लोग कहते हैं कि पुरानी तकनीक और सैटेलाइट की सीमाओं की वजह से पराली का योगदान कम आंका जा सकता है। नए जियोस्टेशनरी सैटेलाइट से किए गए अध्ययन ज्यादा सटीक परिणाम दिखा रहे हैं। आरटीआई में दिल्ली के पीएम2.5 और पीएम10 के अन्य स्रोतों की जानकारी मांगी गई थी, लेकिन सीपीसीबी ने 2018 की पुरानी स्टडी का हवाला दिया। बताता है कि पराली जलाना अब बड़ा स्रोत नहीं रहा।

दिल्ली में टोल प्लाजा पर घमासान

आप का जोरदार प्रदर्शन; मेयर ने बताया हाई-टेक समाधान

नईदिल्ली , एजेंसी। दिल्ली की जहरीली हवा में एक नया राजनीतिक तूफान उठ खड़ा हुआ है। टोल प्लाजा पर लंबी-लंबी कतारें न सिर्फ ट्रैफिक जाम का सबब बन रही हैं, बल्कि प्रदूषण का बड़ा हॉटस्पॉट भी बन चुकी हैं। आम आदमी पार्टी ने इसे मुद्दा बनाकर जोरदार प्रदर्शन किया, तो दिल्ली के मेयर राजा इकबाल सिंह ने हाई-टेक समाधान का कार्ड खेल दिया। आइए, जानते हैं इस हंगामे की पूरी कहानी।

एमसीडी में विपक्ष के नेता अंकुश नरंग के नेतृत्व में आप कार्यकर्ताओं ने गाजीपुर टोल प्लाजा पर प्रदर्शन किया। उन्होंने बीजेपी सरकार के खिलाफ नारे लगाए। नरंग ने कहा कि टोल प्लाजा प्रदूषण के हॉटस्पॉट बन गए हैं और दिल्ली के लोग इसका खामियाजा भुगत रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, सुप्रीम कोर्ट ने टोल पर गाड़ियां रोककर टैक्स वसूलने पर रोक लगाने का निर्देश दिया है, लेकिन बीजेपी कुछ रुपयों के लिए बच्चों और बुजुर्गों की जान जोखिम में डाल रही है। आप की मांग है कि प्रदूषण के मौसम में टोल कलेक्शन तुरंत बंद किया जाए। नरंग ने कहा, बीजेपी की दिल्ली में चार इंजन वाली सरकार है। पैसों की कमी नहीं है। यह रेवेन्यू दिल्ली सरकार या केंद्र से लिया जा सकता है, लेकिन लोगों की जान ज्यादा महत्वपूर्ण है। यह विवाद सुप्रीम कोर्ट के निर्देश से जुड़ा है। कोर्ट ने एमसीडी से कहा था कि एनसीआर में हवा की गुणवत्ता सुधरने तक नौ टोल प्लाजा को अस्थायी रूप से बंद करने पर प्राथमिकता से विचार करें। हालांकि, कोर्ट ने सीधा बंद करने का आदेश नहीं दिया। केवल विचार करने को कहा था। मेयर राजा इकबाल सिंह ने आप के आरोपों को गलत और भ्रामक बताया। उन्होंने कहा, आप जब सत्ता में थी, तब प्रदूषण के खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठाया। अब सत्ता से बाहर होकर इस गंभीर मुद्दे पर राजनीति कर रही है। यह बेहद निंदनीय है। मेयर ने स्पष्ट किया कि एमसीडी ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर सभी कदमों की जानकारी दे दी है। साथ ही, आप का एजेंडा अब सिर्फ भ्रम फैलाना और राजनीतिक बयानबाजी करना है। अगर दिल्लीवालों की सेहत की चिंता होती, तो सत्ता में रहते ठोस काम करते।

कुत्ते के काटने पर दिल्ली में देर रात हंगामा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में एक बार फिर कुत्ते को लेकर बड़ा हंगामा खड़ा हो गया। गीता कॉलोनी थाना क्षेत्र में दो पक्षों के बीच बहस के बाद मारपीट हो गई। पुलिस को मौके पर पहुंचकर हालात को संभालना पड़ा। फिलहाल दोनों पक्षों को शांतकर पुलिस कानूनी कार्रवाई में जुटी है। दिल्ली पुलिस की ओर से दी गई जानकारी में बताया गया है कि 29 दिसंबर की रात 11.03 बजे पुलिस को पीसीआर पर गीता कॉलोनी क्षेत्र में कुत्ते के काटने और मारपीट की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंचे तो पीसीआर को कॉल करने वाले रानी गार्डन निवासी रिजवान (40) ने बताया कि पड़ोसी नीलम सिंघल के पालतू कुत्ते ने सार्थक, उसके नौकर को काट लिया। इस पर उन्होंने नीलम से कहा था कि अपने कुत्ते को कंट्रोल में रखें।

एयर इंडिया एक्सप्रेस का पायलट गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक यात्री पर हमला करने के आरोपी एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक पायलट कैप्टन वीरेंद्र सेजवाल को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आईजीआई एयरपोर्ट पर यात्री अंकित दीवान पर हमला करने के आरोपी एयर इंडिया एक्सप्रेस के पायलट को गिरफ्तार किया गया और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया।

पुलिस ने जांच के दौरान मामला दर्ज करने के बाद घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज एकत्र किए और बयान दर्ज किए। इसके बाद आरोपी को पूछताछ के लिए भी बुलाया गया था। दिल्ली पुलिस ने एक बयान में कहा कि पायलट कैप्टन वीरेंद्र सेजवाल सोमवार को जांच में शामिल हुए और उनसे पूछताछ की गई। पायलट जांच में शामिल हो गए हैं। इस मामले में जांच योग्यता और उपलब्ध सबूतों के आधार पर की जा रही है।

इससे पहले, पीड़ित यात्री अंकित दीवान ने आरोप लगाया था कि दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक पायलट ने उन पर हमला किया था। उन्होंने कहा कि यह घटना सुरक्षा जांच के दौरान हुई जब वह अपने परिवार के साथ यात्रा कर रहे थे। दीवान ने घटना की पूरी कहानी बताई, हम अपने चार महीने के बच्चे को एक स्ट्रॉलर में यात्रा करा रहे थे। छुट्टिस्त्र के जवानों ने हमें एक खास सिक्योरिटी चेक एरिया की तरफ भेजा।

गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार विश्वास त्रिपाठी को पद से हटाया

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) में बड़े स्तर पर भर्ती घोटाले का अनुमान है। लोकायुक्त का इस मामले में पत्र जारी होने के बाद विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार विश्वास त्रिपाठी को पद से हटा दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में बड़े स्तर पर भर्ती में धांधली हुई है। इसकी शिकायत लोकायुक्त से की गई थी। 25 दिसंबर को लोकायुक्त की ओर से जीबीयू प्रबंधन को पत्र जारी हुआ और 9 जनवरी तक रिकॉर्ड प्रस्तुत करने के आदेश दिए गए हैं। इस आदेश से बाद से ही विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अफसरों में हलचल तेज हो गई है। वहीं, सोमवार को अचानक कुलपति राणा प्रताप ने रजिस्ट्रार विश्वास त्रिपाठी को उनके पद से हटाने के आदेश जारी कर दिए। उनके स्थान पर डॉ. चंदर कुमार को कुलसचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। डॉ. चंदर कुमार वर्तमान में स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज एंड एप्लाइड साइंसेज के डीन हैं। इसके साथ ही अब अफसरों के बीच आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू हो गया है। आरोप है कि अधिकारियों ने अपने पद का दुरुपयोग कर अपने रिश्तेदारों, सिफारिशों पर आए आवेदन को बिना योग्यता के ही नौकरी पर रखा है, जबकि विश्वविद्यालय में 10 वर्षों से पढ़ा रहे प्रोफेसरों को हटा दिया गया।

कभी गृहिणी थीं खालिदा जिया, पति की हत्या के बाद बनीं 'आयरन लेडी'

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष और लाखों समर्थकों की 'देशमाता' के रूप में जानी जाने वाली खालिदा जिया का जाना न केवल एक राजनीतिक नेता का अवसान है, बल्कि बांग्लादेश की लोकतांत्रिक यात्रा के एक महत्वपूर्ण अध्याय का समापन भी है।

बांग्लादेश की राजनीति में दो महिलाओं का लंबा द्वंद्व रहा है- एक तरफ शेख हसीना, दूसरी तरफ बेगम खालिदा जिया। जहां हसीना को 'बंगबंधु की बेटी' कहा जाता है, वहीं खालिदा जिया को आयरन लेडी' या 'डेमोक्रेसी की मां' के रूप में जाना जाता है। खालिदा जिया का जन्म 15 अगस्त 1945 को जलपाईगुड़ी (तत्कालीन अविभाजित बंगाल, अब भारत) में हुआ था। उनका परिवार बाद में दिनाजपुर (बांग्लादेश) में बस गया। 1959 में मात्र 15 साल की उम्र

में उन्होंने पाकिस्तानी सेना के कैप्टन जियाउर रहमान से शादी की। जियाउर रहमान बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के नायक बने और 1977 में राष्ट्रपति बने। खालिदा तब तक घरेलू जीवन जी रही थीं, दो बेटों- तारिक और अराफात रहमान (कोको) की परवरिश कर रही थीं। लेकिन 30 मई 1981 को चटगांव में सैन्य तख्तापलट की कोशिश में जियाउर रहमान की हत्या हो गई। इस सदमे ने खालिदा को राजनीति में धकेल दिया। पति की मौत के बाद बीएनपी बिखरने की कगार पर थी। पार्टी कार्यकर्ताओं के आग्रह पर खालिदा ने 1982 में पार्टी की सदस्यता ली और 1984 में अध्यक्ष बन गईं। उन्होंने तत्कालीन सैन्य शासक हुसैन मुहम्मद एर्शाद के खिलाफ लोकतंत्र बहाली आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने एर्शाद की तानाशाही के खिलाफ लंबा आंदोलन चलाया, कई बार हाउस अरेस्ट झेलीं। 1990 में एर्शाद का पतन हुआ और 1991 के चुनाव में बीएनपी की जीत से खालिदा बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। उनका पहला कार्यकाल आर्थिक सुधारों, निर्यात बढ़ाने और केयरटेकर गवर्नमेंट सिस्टम लागू करने के लिए याद किया जाता है। 2001 में फिर सत्ता में लौटीं, लेकिन भ्रष्टाचार के आरोप और इस्लामी कट्टरपंथियों पर कार्रवाई के विवाद भी उनके कार्यकाल की छाया रहे।

पहली बार यूएन चीफ गुतारेस ने हिंदी-उर्दू में जारी किया नववर्ष संदेश

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने पहली बार वर्ष 2026 के लिए अपना नववर्ष संदेश हिंदी और उर्दू सहित कुल 11 भाषाओं में जारी किया है। यह संदेश संयुक्त राष्ट्र की छह आधिकारिक भाषाओं अरबी, चीनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, रूसी और स्पेनिश के अलावा हिंदी और उर्दू में भी उपलब्ध कराया गया है। उनके वीडियो संदेश में हिंदी सबटाइटल भी शामिल किए गए हैं। नववर्ष के अवसर पर गुतारेस ने विश्व नेताओं से युद्ध और विनाश के बजाय विकास में निवेश करने का सशक्त आह्वान किया। उन्होंने कहा, दुनिया एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। हर ओर अराजकता और अनिश्चितता है। लोग पूछ रहे हैं क्या नेता सच में सुन रहे हैं और क्या वे कार्रवाई के लिए तैयार हैं? संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बताया कि दुनिया की एक-चौथाई से अधिक आबादी संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में रह रही है, जबकि 20 करोड़ से ज्यादा लोगों को मानवीय सहायता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध, आपदाओं और उत्पीड़न के कारण करीब 12 करोड़ लोग विस्थापित हो चुके हैं। गुतारेस ने बढ़ते सैन्य खर्च पर चिंता जताते हुए कहा कि वैश्विक सैन्य खर्च 2.7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जो लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।